Nankhari Fair 21st -22nd August 2024

The Department of History organized a tour on August 22, 2024, for the History Department students of GDC Nankhari to the annual Bhadrapad fair celebrated in Nankhari, Rampur Bushahr Tehsil, Shimla district, Himachal Pradesh. During the visit, the students learned about the fair's history from local residents, and Sandesh (BA 1st Year) and Riya (BA 1st Year) gathered the facts. Here is what they discovered

JINDAL
DATE :
PAGE NO.

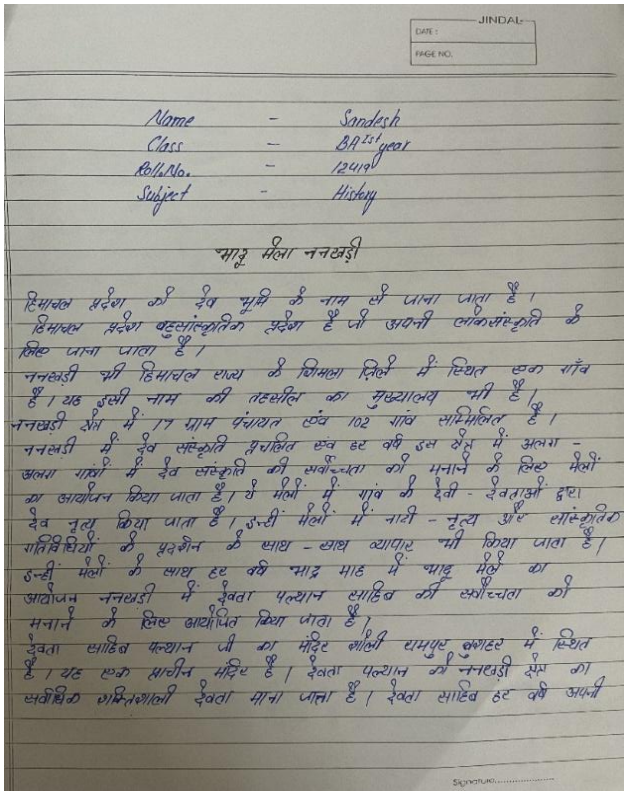

Name - Sandesh
Class - BA 1st year
Roll.No. - 12419
Subject - History

भादू मेला ननखड़ी

हिमाचल प्रदेश को देव भूमि के नाम से जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश बहुसांस्कृतिक प्रदेश है जो अपनी लोकसंस्कृति के लिए जाना जाता है।
ननखड़ी भी हिमाचल राज्य के शिमला ज़िले में स्थित एक गाँव है। यह इसी नाम की तहसील का मुख्यालय भी है।
ननखड़ी क्षेत्र में 17 ग्राम पंचायत एवं 102 गांव सम्मिलित है।
ननखड़ी में देव संस्कृति प्रचलित एवं हर वर्ष इस क्षेत्र में अलग - अलग गांवों में देव संस्कृति की सर्वोच्चता को मनाने के लिए मेलों का आयोजन किया जाता है। ये मेलों में गांव के देवी - देवताओं द्वारा देव नृत्य किया जाता है। इन्हीं मेलों में नाटी - नृत्य और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रदर्शन के साथ - साथ व्यापार भी किया जाता है। इन्हीं मेलों के साथ हर वर्ष भाद्र माह में भादू मेले का आयोजन ननखड़ी में देवता पल्थान साहिब की सर्वोच्चता को मनाने के लिए आयोजित किया जाता है।
देवता साहिब पल्थान जी का मंदिर गौली रामपुर बुशहर में स्थित है। यह एक प्राचीन मंदिर है। देवता पल्थान को ननखड़ी क्षेत्र का सर्वाधिक शक्तिशाली देवता माना जाता है। देवता साहिब हर वर्ष अपनी

Signature..........

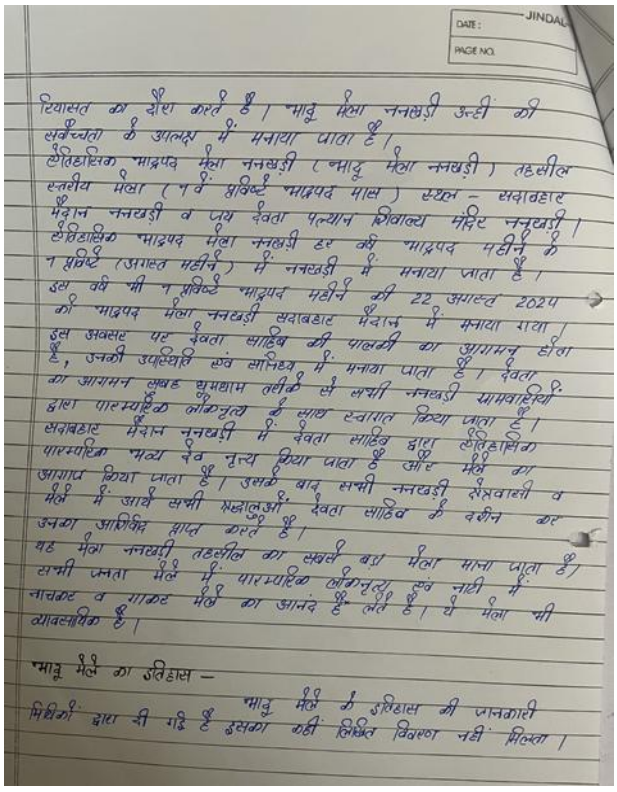

JINDAL
DATE :
PAGE NO.

रियासत का दौरा करते है। भादू मेला ननखड़ी उन्हीं की सर्वोच्चता के उपलक्ष में मनाया जाता है।
ऐतिहासिक भाद्रपद मेला ननखड़ी (भादू मेला ननखड़ी) तहसील स्तरीय मेला (7 वें प्रविष्टे भाद्रपद मास) स्थल - सदाबहार मैदान ननखड़ी व जय देवता पल्थान शिवालय मंदिर ननखड़ी।
ऐतिहासिक भाद्रपद मेला ननखड़ी हर वर्ष भाद्रपद महीने के 7 प्रविष्टे (अगस्त महीने) में ननखड़ी में मनाया जाता है।
इस वर्ष भी 7 प्रविष्टे भाद्रपद महीने की 22 अगस्त 2024 को भाद्रपद मेला ननखड़ी सदाबहार मैदान में मनाया गया।
इस अवसर पर देवता साहिब की पालकी का आगमन होता है, उनकी उपस्थिति एवं सानिध्य में मनाया जाता है। देवता का आगमन सुबह धूमधाम तरीके से सभी ननखड़ी ग्रामवासियों द्वारा पारम्परिक लोकनृत्य के साथ स्वागत किया जाता है। सदाबहार मैदान ननखड़ी में देवता साहिब द्वारा ऐतिहासिक पारम्परिक भव्य देव नृत्य किया जाता है और मेले का आगाज किया जाता है। उसके बाद सभी ननखड़ी क्षेत्रवासी व मेले में आये सभी श्रद्धालुओं देवता साहिब के दर्शन कर उनका आशिर्वाद प्राप्त करते है।
यह मेला ननखड़ी तहसील का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। सभी जनता मेले में पारम्परिक लोकनृत्य एवं नाटी में नाचकर व गाकर मेले का आनंद ले लेते है। ये मेला भी व्यावसायिक है।

भादू मेले का इतिहास -
भादू मेले के इतिहास की जानकारी मिथकों द्वारा दी गई है इसका कहीं लिखित विवरण नहीं मिलता।

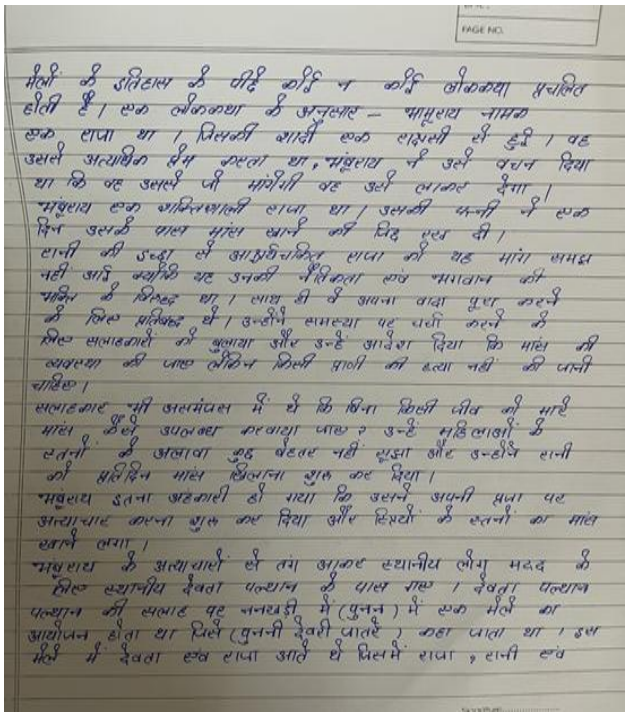

PAGE NO.

मेलों के इतिहास के पीछे कोई न कोई लोककथा प्रचलित होती है। एक लोककथा के अनुसार - भामूराय नामक एक राजा था। जिसकी शादी एक राक्षसी से हुई। वह उससे अत्यधिक प्रेम करता था, भंभूराय ने उसे वचन दिया था कि वह उससे जो मांगेगी वह उसे लाकर देगा।
भंभूराय एक शक्तिशाली राजा था। उसकी पत्नी ने एक दिन उसके पास मांस खाने की ज़िद कर दी।
रानी की इच्छा से आश्चर्यचकित राजा को यह मांग समझ नहीं आई क्योंकि यह उनकी नैतिकता एवं भगवान की भक्ति के विरुद्ध था। साथ ही वे अपना वादा पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध थे। उन्होंने समस्या पर चर्चा करने के लिए सलाहकारों को बुलाया और उन्हें आदेश दिया कि मांस की व्यवस्था की जाए लेकिन किसी प्राणी की हत्या नहीं की जानी चाहिए।
सलाहकार भी असमंजस में थे कि बिना किसी जीव को मारे मांस कैसे उपलब्ध करवाया जाए? उन्हें महिलाओं के स्तनों के अलावा कुछ बेहतर नहीं सूझा और उन्होंने रानी को प्रतिदिन मांस खिलाना शुरू कर दिया।
भंभूराय इतना अहंकारी हो गया कि उसने अपनी प्रजा पर अत्याचार करना शुरू कर दिया और स्त्रियों के स्तनों का मांस खाने लगा।
भंभूराय के अत्याचारों से तंग आकर स्थानीय लोग मदद के लिए स्थानीय देवता पल्थान के पास गए। देवता पल्थान पल्थान की सलाह पर ननखड़ी में (पुनन) में एक मेले का आयोजन होता था जिसे (पुननी देवरी जातरे) कहा जाता था। इस मेले में देवता एवं राजा आते थे जिसमें राजा, रानी एवं

JINDAL
DATE :
PAGE NO.

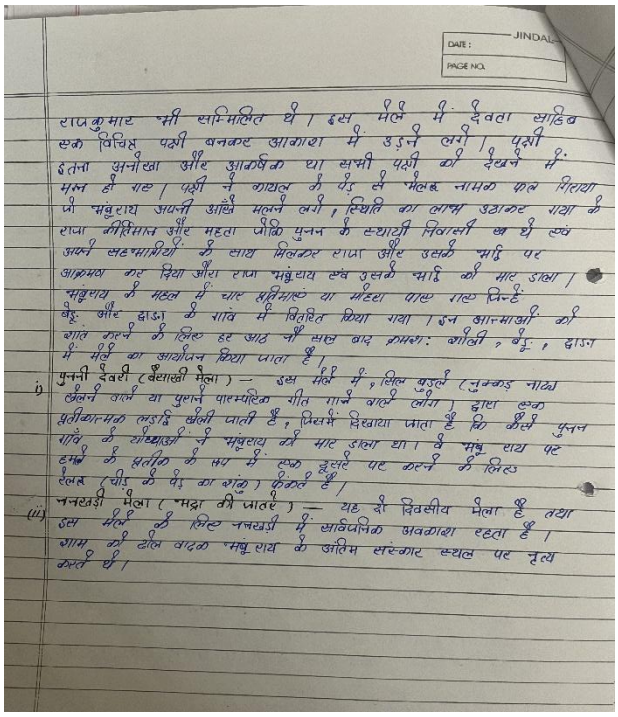

राजकुमार भी सम्मिलित थे। इस मेले में देवता साहिब एक विचित्र पक्षी बनकर आकाश में उड़ने लगे। पक्षी इतना अनोखा और आकर्षक था सभी पक्षी को देखने में मग्न हो गए। पक्षी ने कायल के पेड़ से मेलरू नामक फल गिराया जो भंभूराय अपनी आँखें मलने लगे, स्थिति का लाभ उठाकर गाया के राजा कीर्तिमान और महता जोकि पुनन के स्थायी निवासी थे एवं अपने सहभागियों के साथ मिलकर राजा और उसके भाई पर आक्रमण कर दिया और राजा भंभूराय एवं उसके भाई को मार डाला। भंभूराय के महल में चार प्रतिमाएं या मोहरा पाए गए जिन्हें बेहू और डाडा के गांव में वितरित किया गया। इन आत्माओं को शांत करने के लिए हर आठ वीं साल बाद क्रमशः गौली, बेहू, डाडा में मेले का आयोजन किया जाता है।
i) पुननी देवरी (बैसाखी मेला) - इस मेले में, सिल बुड़ले (नुक्कड़ नाटक खेलने वाले या पुराने पारम्परिक गीत गाने वाले लोग) द्वारा एक प्रतीकात्मक लड़ाई खेली जाती है, जिसमें दिखाया जाता है कि कैसे पुनन गाँव के योद्धाओं ने भंभूराय को मार डाला था। वे भंभू राय पर हमले के प्रतीक के रूप में एक दूसरे पर करने के लिए रैलरू (चीड़ के पेड़ का शंकु) फेंकते है।
(ii) ननखड़ी मेला (भद्रा की जातरे) - यह दो दिवसीय मेला है तथा इस मेले के लिए ननखड़ी में सार्वजनिक अवकाश रहता है। शाम को ढोल वादक भंभू राय के अंतिम संस्कार स्थल पर नृत्य करते थे।

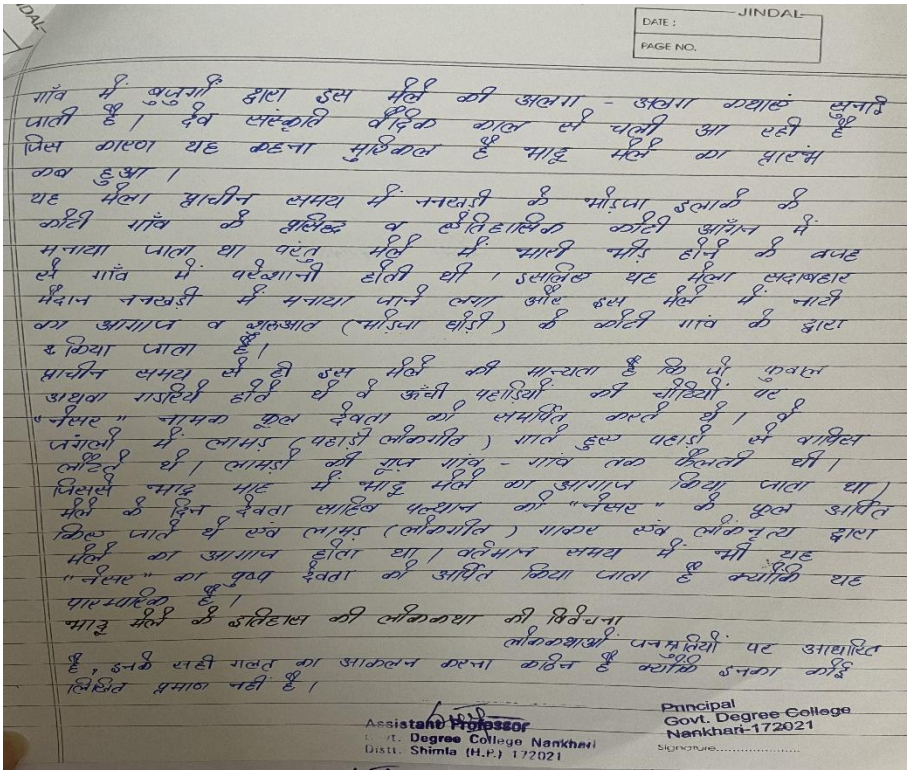

DATE :
PAGE NO.

गाँव में बुजुर्गों द्वारा इस मेले की अलग - अलग कथाएं सुनाई जाती है। देव संस्कृति वैदिक काल से चली आ रही है जिस कारण यह कहना मुश्किल है भादू मेले का प्रारंभ कब हुआ।

यह मेला प्राचीन समय में ननखड़ी के भाँड़ला इलाके के कोटी गाँव के प्रसिद्ध व ऐतिहासिक कोटी आँगन में मनाया जाता था परंतु मेले में भारी भीड़ होने के वजह से गाँव में परेशानी होती थी। इसलिए यह मेला सदाबहार मैदान ननखड़ी में मनाया जाने लगा और इस मेले में नाटी का आगाज व शुरुआत (भाँड़ला धौड़ी) के कोटी गांव के द्वारा किया जाता है।

प्राचीन समय से ही इस मेले की मान्यता है कि जो कुवाल अथवा गडरिये होते थे वे ऊँची पहाड़ियों की चोटियों पर "नैसर" नामक फूल देवता को समर्पित करते थे। वे जंगलों में लामड़ (पहाड़ी लोकगीत) गाते हुए पहाड़ों से वापिस लौटते थे। लामड़ों की गूंज गांव - गांव तक फैलती थी। जिससे भाद्र माह में भादू मेले का आगाज किया जाता था। मेले के दिन देवता साहिब पल्थान को "नैसर" के फूल अर्पित किए जाते थे एवं लामड़ (लोकगीत) गाकर एवं लोकनृत्य द्वारा मेले का आगाज होता था। वर्तमान समय में भी यह "नैसर" का पुष्प देवता को अर्पित किया जाता है क्योंकि यह पारम्परिक है।

भादू मेले के इतिहास की लोककथा की विवेचना

लोककथाओं जनश्रुतियों पर आधारित है, इनके सही गलत का आकलन करना कठिन है क्योंकि इनका कोई लिखित प्रमाण नहीं है।

Assistant Professor
Govt. Degree College Nankhari
Distt. Shimla (H.P.) 172021

Principal
Govt. Degree College
Nankhari-172021
Signature....................

Activity Name: Nankhari fair 2024

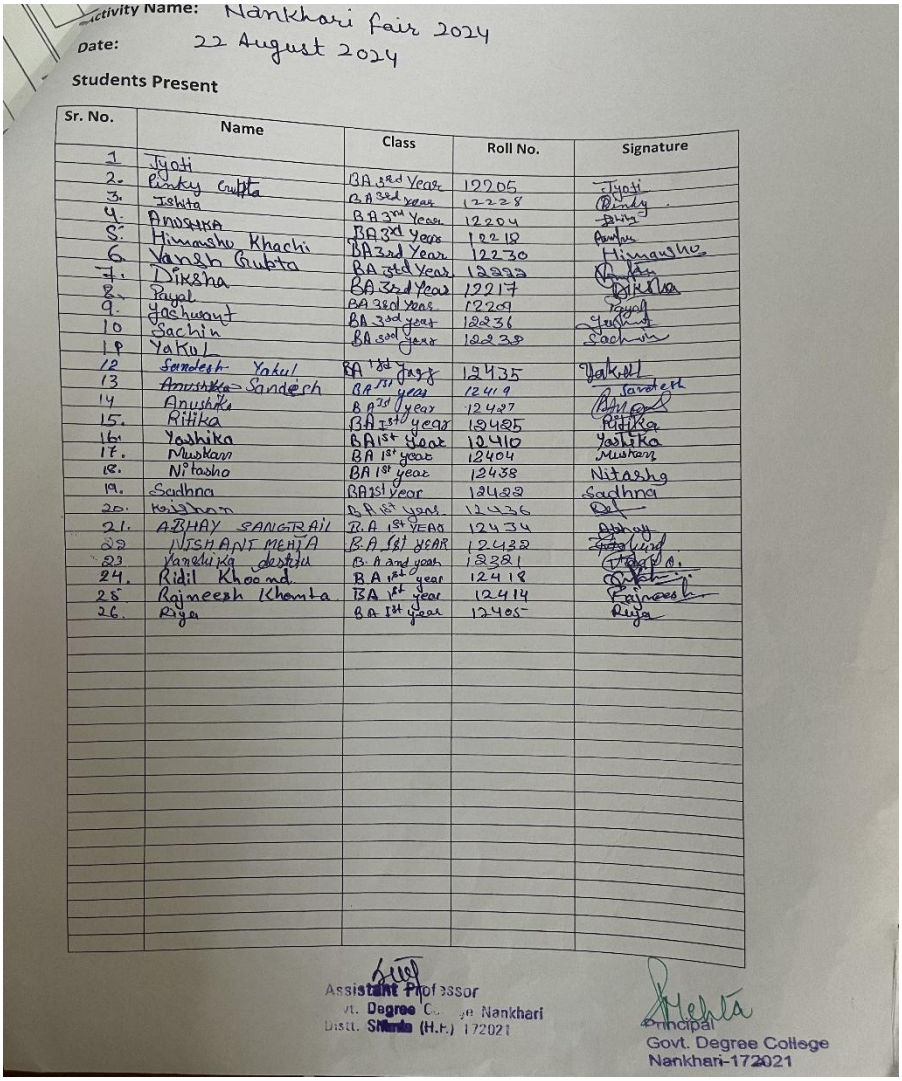

Date: 22 August 2024

Students Present

Sr. No.	Name	Class	Roll No.	Signature
1	Jyoti	BA 3rd Year	12205	Jyoti
2.	Pinky Gupta	BA 3rd year	12228	Pinky
3.	Ishita	BA 3rd Year	12204	Ishita
4.	ANUSHKA	BA 3rd Year	12218	Anushka
5.	Himanshu Khachi	BA 3rd Year	12230	Himanshu
6.	Vansh Gupta	BA 3rd Year	12222	Gupta
7.	Diksha	BA 3rd Year	12217	Diksha
8.	Payal	BA 3rd Year	12209	Payal
9.	Yashwant	BA 3rd year	12236	Yashwant
10	Sachin	BA 3rd year	12238	Sachin
11	YaKuL			
12	~~Sandesh~~ Yakul	BA 1st year	12435	Yakul
13	~~Anushka~~ Sandesh	BA 1st year	12419	Sandesh
14	Anushka	BA 3rd year	12427	Anushka
15.	Ritika	BA 1st year	12425	Ritika
16.	Yashika	BA 1st Year	12410	Yashika
17.	Muskan	BA 1st year	12404	Muskan
18.	Nitasha	BA 1st year	12438	Nitasha
19.	Sadhna	BA 1st year	12422	Sadhna
20.	Krishan	BA 1st year	12436	[illegible]
21.	ABHAY SANGRAIL	B.A 1st YEAR	12434	Abhay
22	NISHANT MEHTA	B.A 1st YEAR	12432	[illegible]
23	Vanshika deshta	B.A 2nd year	12321	[illegible]
24.	Ridil Khoond	B.A 1st year	12418	[illegible]
25	Rajneesh Khanta	BA 1st year	12414	Rajneesh
26.	Riya	BA 1st year	12405	Riya

Assistant Professor
Govt. Degree College Nankhari
Distt. Shimla (H.P.) 172021

S. Mehta
Principal
Govt. Degree College
Nankhari-172021

GPS Map Camera
Check In
Nankhari, Himachal Pradesh, India
Chowk, 8H5M+JXJ, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.309154°
Long 77.584817°
22/08/24 12:20 PM GMT +05:30
historical Tour
Google

GPS Map Camera
Check In
Nankhari, Himachal Pradesh, India
Unnamed Road, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.309502°
Long 77.583975°
22/08/24 12:25 PM GMT +05:30
historical Tour
Google

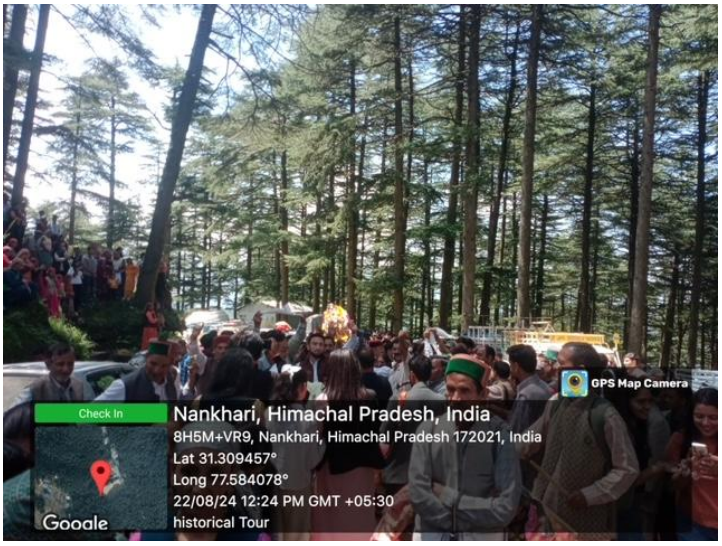
GPS Map Camera
Check In
Nankhari, Himachal Pradesh, India
8H5M+VR9, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.309457°
Long 77.584078°
22/08/24 12:24 PM GMT +05:30
historical Tour
Google

CRICKET CUP
GPS Map Camera
Check In
Nankhari, Himachal Pradesh, India
Unnamed Road, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.309308°
Long 77.584817°
22/08/24 05:56 PM GMT +05:30
historical Tour
Google